भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं.220*

<u>दिनांक 16 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए</u>

भारत-यूक्रेन व्यापार

***220. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:**
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान भारत-यूक्रेन व्यापार का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने वर्तमान संकट के कारण भारत-रूस तथा भारत-यूक्रेन के बीच व्यापार का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) यूक्रेन तथा रूस को किए जाने वाले भारत के निर्यात के संदर्भ में यूक्रेन तथा रूस के साथ भारत के व्यापार पर वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध का क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है;
(घ) क्या केन्द्र सरकार को रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में वर्तमान व्यापार परिदृश्य की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार ने यूक्रेन में युद्धोपरांत परिदृश्य का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा युद्धोपरांत भारतीय कंपनियों का संभावित भविष्य क्या होगा; और
(च) क्या वर्तमान यूक्रेन-रूस संकट से भारत को जरूरतमंद देशों को गेहूँ के बंपर स्टॉक का निर्यात करने का अवसर मिल सकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री</u>
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

***

"भारत-यूक्रेन व्यापार" के संबंध में 16 मार्च 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 220 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान भारत-यूक्रेन व्यापार का विवरण इस प्रकार है:

मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में

वर्ष	यूक्रेन		
	निर्यात	आयात	कुल व्यापार
2018-2019	390.8	2,341.03	2,731.82
2019-2020	463.81	2,060.79	2,524.60
2020-2021	450.97	2,139.86	2,590.83
अप्रैल-जनवरी 2022 (पी)	426.43	2,444.91	2,871.34

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस

(ख) जी हाँ, भारत से रूस को निर्यात की प्रमुख मदें फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार उपकरण, लोहा और इस्पात, चाय, रासायनिक उत्पाद हैं और आयात की प्रमुख मदें पेट्रोलियम, मोती और अर्ध-कीमती पत्थर, कोयला, उर्वरक, वनस्पति तेल हैं।

भारत से यूक्रेन को निर्यात की प्रमुख मदें फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार उपकरण, मूंगफली, सिरेमिक, लोहा और इस्पात हैं और आयात की प्रमुख मदें वनस्पति तेल, उर्वरक, अकार्बनिक रसायन, प्लास्टिक और प्लाईवुड तथा संबद्ध उत्पाद हैं।

(ग और घ) वाणिज्य विभाग को वर्तमान स्थिति से अवगत कराया है और आवश्यक आयात की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के साथ नियमित परामर्श किया जाता है। उद्योग से प्राप्त फीडबैक के अनुसार, भारत से कुछ उत्पादों के निर्यात के प्रभावित होने की संभावना है जिनमें फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार उपकरण, चाय, कॉफी, समुद्री उत्पाद, आदि शामिल हैं।

(ड.) युद्धोपरांत के परिदृश्य के अधिक सटीक निहितार्थ का आकलन स्थिति स्थिर होने के पश्चात ही किया जा सकता है।

(च) चूंकि यूक्रेन और रूस दोनों ही गेहूँ के प्रमुख निर्यातक हैं, जिनका वैश्विक गेहूँ व्यापार में 25% से अधिक हिस्सा है, इन देशों से निर्यात विच्छेद से भारत को हमारे गेहूँ के निर्यात को बढ़ाने का अवसर उपलब्ध होता है।

***